आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)

सोमवार 02.12.2024 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– देहरादून–दिल्ली एक्सप्रेसवे उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था और पर्यटन को बढ़ावा देने में मददगार साबित होगा।
- संसद के दोनों सदन लगातार पांचवें दिन विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष के हंगामे के कारण बिना किसी विशेष कामकाज के स्थगित।
- नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने नौसेना में अगले दस वर्षों में 96 जहाजों और पनडुब्बियों को शामिल करने की घोषणा की।
- प्रदेश सरकार ने जलापूर्ति योजनाओं के सोशल ऑडिट को प्रभावी बनाने में स्थानीय महिलाओं को शामिल करने के निर्देश दिए।
- ज्योर्तिमठ तहसील के अंतर्गत 43 प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए एक करोड़ बानवे लाख पचास हजार की धनराशि स्वीकृत की गई।

दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि देहरादून–दिल्ली एक्सप्रेसवे उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने, पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में मददगार साबित होगा। मुख्यमंत्री ने आज एक्सप्रेसवे के निरीक्षण के दौरान ये बात कही। उन्होंने अधिकारियों से एक्सप्रेसवे के निर्माण में इस्तेमाल की जा रही आधुनिक तकनीकों और पर्यावरण सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी प्राप्त की। पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून में दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे का काम अंतिम चरण में है।

संसद

संसद के दोनों सदनों में आज लगातार पांचवें दिन विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष के हंगामे के कारण रूकावट आई। दोनों सदनों की कार्यवाही बिना किसी विशेष कामकाज के कल तक के लिए स्थगित कर दी गई है। विपक्ष ने एक प्रमुख व्यापारिक समूह के खिलाफ कथित रिश्वतखोरी के आरोपों और उत्तर प्रदेश के संभल में हिंसा सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर हंगामा किया। इस कारण कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक और फिर दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

नौसेना प्रमुख

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कहा है कि आगामी दस वर्षों में भारतीय नौसेना में 96 जहाज और पनडुब्बियां शामिल की जाएंगी। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष तक हर महीने एक जहाज शामिल किया जाएगा। एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने आज नई दिल्ली में बताया कि 62 जहाज और एक पनडुब्बी निर्माणाधीन हैं। उन्होंने बताया कि इस महीने की 4 तारीख को ओडिशा के पुरी में नौसेना दिवस मनाया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगी।

प्रशासक नियुक्त

प्रदेश के 12 जिलों में जिला पंचायत अध्यक्षों को जिला पंचायतों में प्रशासक नियुक्त किया गया है। आज गढ़वाल के उत्तरकाशी और कुमाऊं के बागेश्वर व चंपावत जिलों के निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्षों ने प्रशासक का पदभार संभाल लिया है। उत्तरकाशी जिला पंचायत के प्रशासक दीपक बिजल्वाण ने कहा कि सरकार ने पंचायती राज अधिनियम के तहत उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है और इससे पंचायती राज व्यवस्था मजबूत होगी।

जल संरक्षण

उत्तरकाशी के बागी गांव के द्वारिका सेमवाल ने वर्ष 2021 में ''कल के लिए जल अभियान'' की शुरुआत की। अभियान के सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगे हैं। उत्तरकाशी और टिहरी के प्राकृतिक जल स्रोत अब पुनर्जीवित होने लगे हैं। इस अभियान से जंगलों में आग लगने की घटनाएं भी कम हुई हैं। द्वारिका सेमवाल का कहना है कि इस अभियान से गांव के लोग भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं और श्रमदान कर जलकुंड और तालाब बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभियान से जुड़े लोग अपने प्रियजनों की स्मृति, जन्मदिन और अपने ईष्ट देव के नाम पर जल संचय भी कर रहे हैं।

पेयजल समीक्षा

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने प्रदेश में जलापूर्ति योजनाओं के सोशल ऑडिट को प्रभावी बनाने और पेयजल योजनाओं में महिलाओं के फीडबैक को महत्वपूर्ण बताते हुए इसमें स्थानीय महिलाओं को शामिल करने के निर्देश दिए हैं। आज देहरादून में मुख्य सचिव ने अर्द्धनगरीय क्षेत्रों में विश्व बैंक की सहायता से संचालित उत्तराखण्ड जलापूर्ति कार्यक्रम की बैठक में जल जीवन मिशन की समीक्षा की। उन्होंने मिशन की समय सीमा बढ़ाने के लिए भारत सरकार को पत्र भेजने के निर्देश दिए हैं। श्रीमती रतूड़ी ने कहा कि लोगों को जलापूर्ति के साथ ही पेयजल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाना जरूरी है। बैठक में बताया गया कि विश्व बैंक के सहयोग से देहरादून, टिहरी, हरिद्वार, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर के बाईस अर्द्धनगरीय क्षेत्रों में शत–प्रतिशत वॉल्यूमेट्रिक के साथ प्रतिदिन सोलह घंटे जलापूर्ति की जा रही है। इसके अन्तर्गत एक लाख छह हजार दो सौ दो जल संयोजनों के माध्यम से बड़ी आबादी को लाभान्वित किया जा रहा है।

भूस्खलन प्रभावित

चमोली जिले के ज्योर्तिमठ तहसील के अंतर्गत 43 प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और विस्थापन के लिए एक करोड़ बानवे लाख पचास हजार की धनराशि स्वीकृत की गई है। आपदा प्रभावित परिवारों के विस्थापन और पुनर्वास के लिए जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय पुनर्वास समिति ने धनराशि को मंजूरी दी है। वहीं, पगनों गांव के शेष प्रभावित परिवारों के विस्थापन और पुनर्वास के लिए भूमि चयन की प्रक्रिया अभी चल रही है।

मंगसीर बग्वाल

उत्तरकाशी जिले में मंगसीर बग्वाल का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। बग्वाल के अंतिम दिन विभिन्न क्षेत्रों और गांवों से आए लोगों ने ढोल–दमाऊ और रणसींगे के साथ **तुम त होला द्वी भाई नरो बिजोला** गीत पर रासौं, तांदी नृत्य के साथ नगर क्षेत्र में झांकी निकाली। नगर भ्रमण के बाद झांकी रामलीला मैदान पहुंची जहां **नरू–बिजू और माधों सिंह भंडारी** पर आधारित नृत्य नाटिका का दर्शकों ने जमकर लुत्फ उठाया। इस मौके पर लोकगायकों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर भी दर्शक जमकर झूमे। इसके साथ ही मोरी के सूदूरवर्ती केदारकांठा क्षेत्र से आए ग्रामीणों ने रवांई की संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम पेश किए।

अपार आईडी

रुद्रप्रयाग जिले में प्री–नर्सरी से इंटरमीडिएट कक्षाओं में अध्ययनरत 42 हजार 628 छात्र–छात्राओं के लिए बारह अंकों के अपार कार्ड बनाए जाएंगे। जिले में 31 दिसंबर तक सभी पंजीकृत छात्र–छात्राओं को अपार आईडी से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद सिंह बिष्ट ने बताया कि अपार आईडी बनने के बाद प्रत्येक छात्र–छात्रा का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार हो जाएगा।

जौनसारी फिल्म

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून में पहली जौनसारी फीचर फिल्म **"मैरे गांव की बाट"** का प्रोमो और पोस्टर लांच किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार क्षेत्रीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आंचलिक फिल्मों के निर्माण और प्रचार में पूरा सहयोग दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य गठन के बाद अब पहली जौनसारी फीचर फिल्म बनकर तैयार हो गई है। इस फिल्म के जरिए जौनसार की समृद्ध संस्कृति, विरासत, रीति रिवाजों को देखने जानने का मौका मिलेगा।

स्थापना दिवस

देहरादून स्थित राजभवन में आज नागालैंड और असम राज्य का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल गुरमीत सिंह ने नागालैंड और असम के छात्र–छात्राओं से मुलाकात की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अपना देश विविधताओं से भरा एक अनोखा राष्ट्र है, जिसका निर्माण अनेक बोली–भाषाओं, समृद्ध संस्कृतियों और अनेक धर्मों के ताने–बानों से हुआ है। उन्होंने ''एक भारत–श्रेष्ठ भारत'' के रूप में देश के प्रत्येक राजभवन में सभी प्रदेशों के स्थापना दिवसों के आयोजन की अनूठी पहल के लिए उन्होंने प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

सैनकि मेला

चमोली जिले के सैन्य बाहुल्य गांव सवाड़ में तीन दिवसीय 17वां अमर शहीद सैनिक मेला 7 से 9 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। अमर शहीद सैनिकों के अभूतपूर्व साहस, शौर्य और वीरता को समर्पित इस मेले के आयोजन की मेला समिति ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। सैन्य बाहुल्य गांव सवाड़ के 22 सैनिकों ने प्रथम विश्व युद्ध में भाग लिया था, जबकि 38 सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्ध में भाग लिया था, 14 सैनिकों ने पेशावर कांड में भाग लिया था और 17 सैनिक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हैं। वर्तमान में गांव के 128 सैनिक भारतीय सेना में सेवारत हैं।